शिवपुरी में कुपोषण की तस्वीर...

शिवपुरी | यह है 18 माह का महेश पुत्र अनरत आदिवासी। पिछोर के शंकरपुरा राजपुरा से शुक्रवार देर रात गंभीर हाल में महेश को जिला अस्पताल लाया गया। महेश का पेट आंतों से चिपक गया है। हड्डियां साफ नजर आ रही हैं। बस कुछ दिन की सांसें बची हैं उसमें। कुपोषण के कारण इस हाल में पहुंचे बच्चे को देखकर शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. निसार ने हाथ खड़े कर दिए। देर रात उसका इलाज शुरू तो हुआ। लेकिन बच्चे की मां कला आदिवासी और पिता अनरत आदिवासी बाद में बच्चे को भर्ती कराने की बजाय लेकर चले गए।

जिले में

38771
बच्चे कुपोषित

4856
बच्चे गंभीर हाल में

...और प्रदेश में

- वार्षिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एएचएस) की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 5-18 साल तक का हर तीसरा बच्चा कुपोषण का शिकार।
- एएसएस के सर्वे में बताया गया है कि, प्रदेश में 5-18 साल तक के 33.6 किशोरों की तुलना में 28.4 प्रतिशत किशोरियां कुपोषण से प्रभावित हैं। हर तीन में से एक बच्चा यानि 31.1 फीसदी बच्चे मध्यप्रदेश में कुपोषित।

बच्चा बहुत सीरियस था, सिर्फ धड़कन चल रही थी। वजन कम होने के कारण उसका यह हाल हुआ है।"
-डॉ. निसार अहमद,
शिशु रोग विशेषज्ञ, जिला अस्पताल शिवपुरी